(ख) रबी 92–93 के दौरान, केन्द्र सरकार ने विनियंत्रित उर्वरकों की बिक्री पर रियायत बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को 65.39 करोड़ रुपए निर्मुक्त किये।

अनुर्वर भूमि को उपजाऊ बनाने के लिये अनुसंधान

533. **श्री सोमपाल**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 30 जुलाई, 1992 के "टाइम्स आफ इंडिया में रिसर्च टू रिक्लेम एरिड लैंड" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो अनुर्वर भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए सरकार क्या-क्या कदम उठा रही है; और

(ग) अनुर्वर भूमि के उपजाऊ बनाने के लिए किन-किन स्थानों का चयन किया गया है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) जी, हां।

(ख) कृषि वानिकी, वन चरागाह तथा शुष्क बागबानी के माध्यम से केन्द्रीय मरु शुष्क भूमि अनुसंधान संस्थान ने बंजर शुष्क भूमियों को खेती लायक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की है। शुष्क भूमियों को हरी भरी बनाने के लिए खेजरी, बबूल, अनार, बेर जैसे बहुउद्देशीय संबंधी वृक्षों और सेवन घास, अंजन घास जसी घासों की उन्नत किस्मों का विकास किया गया है।

(ग) हरियाणा, गुजरात तथा राजस्थान के चुने हुए शुष्क जिलों में सूखा-प्रवण क्षेत्र तथा मरुस्थल विकास कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा शुष्क भूमि के सुधार से संबंधित कार्य किया जा रहा है।

Production of Oil Seeds

534. SHRI SHANTI TYAGI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the increase in the area of land brought under oil seeds cultivation, year-wise from 1987-88 to 1992-93 and the increase in oil seeds production in the same period;

(b) what are the main oil seed producing regions in the country;

(c) whether Government would still import edible oil from foreign countries; and

(d) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a): The year-wise increase of area and production of oilseeds over preceding year is given below:

Year	Increase in Area (million ha.)	Increase In Production (million tonnes)
1987-88	1.50	1.38
1988-89	1.77	5.38
1989-90	0.90	—1.11
1990-91	1.34	1.69
1991-92	1.29	—0.23
1992-93 (Provisional)	0.02	1.72